प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को मिलेगी रफ्तार

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उप्र कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन का बड़ा केंद्र बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। प्रदेश में 40 खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी किए गए हैं। इनमें पूर्वांचल और मध्यांचल की 21 से अधिक परियोजनाएं शामिल हैं।

खास बात यह है कि प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, अमेठी और देवरिया से लेकर हरदोई, सीतापुर और कानपुर देहात तक बड़े निवेशक अपनी परियोजनाएं स्थापित और विस्तारित कर रहे हैं। इससे पूर्वी और मध्य यूपी में खाद्य प्रसंस्करण, पेय पदार्थ, डेयरी और कृषि आधारित विनिर्माण का नया औद्योगिक नेटवर्क आकार ले रहा है।

40 खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं को एलओसी

वरुण बेवरेजेस की अमेठी में परियोजनाएं विस्तार कर रही है। वहीं मध्यांचल में 12 परियोजनाओं के साथ खाद्य प्रसंस्करण का एक नया ग्रोथ कॉरिडोर आकार ले रहा है। इसमें हरदोई तेजी से बड़े केंद्र के रूप में उभर रहा है। वरुण बेवरेजेस, आईटीसी, बालाजी वेफर्स और हल्दीराम जैसी बड़ी कंपनियों की परियोजनाएं जिले में प्रस्तावित हैं। कानपुर देहात में एचएल एग्रो प्रोडक्ट्स, सीतापुर में रेडिको खेतान और डालमिया चीनी मिल्स की परियोजनाएं और मध्यांचल में यूनाइटेड ब्रेवरीज, ग्लोबस स्पिरिट्स, नील श्री शुगर व आरएसपीएल लिमिटेड की परियोजनाएं भी शामिल हैं।